Questions

एक स्वतंत्रता सेनानी के रूप में चंद्रशेखर आजाद का मूल्यांकन करें। (Mark's 8)

Evaluate Chandrashekhar Azad as a freedom fighter. (Answer in 125 Word's)

Don't write anything in this part

Answer Synopsis

चंद्रशेखर आज़ाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों में से एक हैं जो केवल एक क्रांतिकारी नहीं, बल्कि उस अदम्य साहस और स्वाभिमान के प्रतीक थे, जिसने ब्रिटिश साम्राज्य की जड़ों को हिला दिया था।

● अटूट संकल्प और 'आज़ाद' होने की प्रतिज्ञा - आज़ाद के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता उनका आत्म-सम्मान था। 15 साल की उम्र में जब उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, तो उन्होंने अपना नाम 'आज़ाद', पिता का नाम 'स्वतंत्रता' और घर 'जेल' बताया। 15 कोड़ों की सजा खाते हुए हर प्रहार पर 'वंदे मातरम' का नारा लगाना उनके फौलादी इरादों का प्रमाण था।

● कुशल संगठनकर्ता और रणनीतिकार - राम प्रसाद बिस्मिल और शचींद्रनाथ सान्याल के बाद, उन्होंने हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) की कमान संभाली। उन्होंने बिखरे हुए क्रांतिकारियों को एकजुट किया और भगत सिंह जैसे युवाओं के मार्गदर्शक बने।

● सशस्त्र क्रांति में विश्वास। जैसे -

i) काकोरी कांड (1925) - सरकारी खजाने को लूटकर क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए धन जुटाना।

ii) सांडर्स हत्या (1928) - लाला लाजपत राय की लाठीचार्ज में हुई मृत्यु का बदला लेना।

iii) झांसी और ओरछा के जंगलों में प्रशिक्षण - उन्होंने क्रांतिकारियों को निशानेबाजी और बम बनाने का प्रशिक्षण दिया।

● वैचारिक स्पष्टता - आज़ाद केवल सशस्त्र क्रांति में विश्वास नहीं रखते थे, बल्कि वे एक ऐसी व्यवस्था चाहते थे जहाँ शोषण न हो।

● आत्मसम्मान और बलिदान - उन्होंने संकल्प लिया था कि वे कभी जीवित पकड़े नहीं जाएंगे। 27 फरवरी 1931 को अल्फ्रेड पार्क (अब आजाद पार्क) में जब वे अंग्रेजों से घिर गए, तब अंतिम गोली स्वयं को मारकर अपने वचन को निभाया। यह उनका सर्वोच्च बलिदान था।

● प्रेरणास्रोत व्यक्तित्व - उनका जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बना। उनका साहस, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता स्वतंत्रता आंदोलन में नई ऊर्जा लेकर आई।

चंद्रशेखर आजाद केवल एक क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि दृढ़ निश्चय, त्याग और राष्ट्रभक्ति की जीवित प्रतिमूर्ति थे। यद्यपि उनका मार्ग अहिंसात्मक आंदोलन से भिन्न था, फिर भी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण और अविस्मरणीय है। वे भारतीय इतिहास में अमर रहेंगे।